Regarding replacing the terms `Kakori Conspiracy/Kakori Robbery` etc. with `Kakori Resistance` or `Konkan Rail Action` in text books

डॉ. संबित पात्रा (पुरी) : माननीय सभापति महोदया, आपने शून्यकाल में मुझे एक अति महत्वपूर्ण विषय को उठाने की अनुमति प्रदान की है, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ ।

महोदया, आज 9 अगस्त का दिन एक ऐतिहासिक दिन है । इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, राजेन्द्र लाहिड़ी, रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित उन सभी महान देशभक्तों और अमर बलिदानियों, क्रांतिकारियों को इस महान सदन के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूँ, जिन्होंने आज से सौ वर्ष पहले, ठीक सौ वर्ष पहले, 9 अगस्त, 1925 को काकोरी में अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र क्रांति योजना को मूर्त रूप प्रदान किया था ।

महोदया, परन्तु दुर्भाग्य का विषय है कि इस ऐतिहासिक घटना को हमारी पाठ्य-पुस्तकों में, हमारे इतिहास लेखन परम्परा में और डिजिटल फुट-प्रिंट में वह स्थान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था, बल्कि काकोरी प्रतिरोध की इस घटना को काकोरी कांड, काकोरी षडयंत्र अथवा काकोरी डकैती के नाम से इतिहास की पुस्तकों में लिखा गया है । अगर आप अभी गूगल में सर्च करेंगे तो काकोरी कांस्पिरेसी, काकोरी ट्रेन डकैती, काकोरी ट्रेन रॉबरी, काकोरी षडयंत्र, काकोरी लूट जैसे नाम दिये गए हैं ।

महोदया, कांड, डकैती अथवा षडयंत्र असामाजिक तत्वों द्वारा किए जाने वाले कुकृत्य होते हैं। यह उन शहीदों का अपमान है, जो इस देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए ।

मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूँगा कि सरकार एक एडवाइज़री जारी कर यह सुनिश्चित करे कि पाठ्य-पुस्तकों से ?काकोरी षडयंत्र? और ?काकोरी कांस्पिरेसी? हटा दिया जाए तथा इसके स्थान पर काकोरी की घटना को ?काकोरी प्रतिरोध? या ?काकोरी रेल ऐक्शन? के नाम से सम्मिलित किया जाए ।

इसी प्रकार से, मैं संस्कृति मंत्री जी से भी अनुरोध करूँगा कि शताब्दी वर्ष के अवसर पर व्यापक प्रचार हेतु संस्कृति मंत्रालय पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराए और इस शताब्दी वर्ष में ?काकोरी प्रतिरोध? शताब्दी वर्ष का स्मारक सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया जाए ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, कृपया सहयोग कीजिए ।

श्री लुम्बा राम जी ।